https://www.jmi.ac.in

मुख्य जनसंपर्क अधिकारी का कार्यालय
जामिया मिल्लिया इस्लामिया

प्रेस विज्ञप्ति

जामिया और SPYM ने माननीय सुप्रीम कोर्ट, शिक्षा मंत्रालय, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय और यूजीसी के निर्देशों के अनुरूप, एक महत्वपूर्ण 'पीयर सपोर्ट वॉलंटियर प्रोग्राम' और 'वेलनेस कनेक्ट हेल्पलाइन ऐप' लॉन्च किया है

18 नवंबर, 2026, नई दिल्ली

विश्वविद्यालय के छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य और भावनात्मक कल्याण को ध्यान में रखते हुए एक महत्वपूर्ण और अग्रणी पहल के तहत, जामिया मिल्लिया इस्लामिया (जेएमआई) ने अपने 'मेंटल हेल्थ एंड वेलनेस सेल' और 'सोसाइटी फॉर द प्रमोशन ऑफ यूथ एंड मासेस' (SPYM) के सहयोग से, 'पीयर सपोर्ट वॉलंटियर प्रोग्राम' (सहयोगी स्वयंसेवक कार्यक्रम) और 'जामिया वेलनेस कनेक्ट हेल्पलाइन ऐप' की शुरुआत की। छात्रों पर केंद्रित इस व्यापक सहायता तंत्र का उद्देश्य विश्वविद्यालय के सभी छात्रों को समय पर, आसानी से उपलब्ध होने वाली, गोपनीय और सार्थक मानसिक स्वास्थ्य सहायता प्रदान करना है। इसके साथ ही, जेएमआई देश के उन चुनिंदा विश्वविद्यालयों में शामिल हो गया है, जिनके पास एक व्यापक स्वास्थ्य नीति है। यह नीति भारत के माननीय सर्वोच्च न्यायालय, भारत सरकार के विभिन्न मंत्रालयों और विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के निर्देशों के अनुरूप तैयार की गई है।

इस कार्यक्रम और हेल्पलाइन ऐप का औपचारिक उद्घाटन जेएमआई के कुलपति प्रो. मजहर आसिफ़ और कुलसचिव प्रो. मो. महताब आलम रिज़वी ने किया। इस अवसर पर SPYM से श्री के. नारायण और श्री गैरी रीड; 'मेंटल हेल्थ एंड वेलनेस सेल' के अध्यक्ष प्रो. जुबैर मीनई; तथा जेएमआई के सामाजिक विज्ञान संकाय के डीन भी उपस्थित थे, जिन्होंने इस पहल की परिकल्पना की और इसका नेतृत्व किया।

इस महत्वाकांक्षी और सुविचारित पहल का मुख्य आधार 40 'पीयर सपोर्ट वॉलंटियर्स' का एक समर्पित समूह है, जिन्हें जेएमआई के विभिन्न विभागों और केंद्रों से चुना गया है। ये स्वयंसेवक अपने संकाय सलाहकारों (faculty mentors) के मार्गदर्शन में काम करेंगे। इसके अलावा, उन्हें SPYM के प्रशिक्षित परामर्शदाताओं और विश्वविद्यालय के मनोविज्ञान विभाग से गहन प्रशिक्षण भी दिया गया है, ताकि वे छात्रों के साथ जुड़कर उन्हें पेशेवर मनोवैज्ञानिक मार्गदर्शन और देखरेख प्रदान कर सकें।

इन वॉलंटियर्स का चयन एक कठोर और प्रतिस्पर्धी प्रक्रिया के माध्यम से किया गया। अगस्त 2026 में जारी की गई एक व्यापक सूचना के जवाब में 140 छात्रों ने आवेदन किया था। एक कड़े चयन प्रक्रिया और अंतिम साक्षात्कार के बाद, केवल 40 उम्मीदवारों को चुना गया। चुने गए वॉलंटियर्स को गहन प्रशिक्षण दिया गया, ताकि वे अपने साथी छात्रों की मदद करने के लिए जरूरी कौशल, जानकारी, सहानुभूति और संवेदनशीलता हासिल कर सकें। देश में अपनी तरह का यह अनूठा कार्यक्रम, छात्रों द्वारा छात्रों को दिए जाने वाले सहयोग का एक सुव्यवस्थित और एकीकृत मॉडल है। इसे पेशेवर विशेषज्ञों का समर्थन प्राप्त है और यह जेएमआई की देखरेख में चलाया जाता है। इस कार्यक्रम में छात्रों की गोपनीयता बनाए रखने और उनके कल्याण के प्रति गहरी प्रतिबद्धता है।

इस पहल की एक मुख्य विशेषता 'जामिया वेलनेस कनेक्ट' डिजिटल हेल्पलाइन है, जो व्हाट्सएप पर 9911266684 नंबर के जरिए उपलब्ध है। इसे इस तरह से डिज़ाइन किया गया है कि छात्र आसानी से, समझदारी से, पूरी गोपनीयता के साथ और सुविधाजनक तरीके से मदद ले सकें। तकनीक पर आधारित यह हेल्पलाइन अंग्रेजी, हिंदी और उर्दू - तीन भाषाओं में उपलब्ध है। इसमें छात्रों के लिए काउंसलिंग और मदद पाने की एक आसान तीन-चरणीय प्रक्रिया है। यह प्लेटफॉर्म छात्रों की पहुंच, गोपनीयता, उनकी पसंद और उनके सम्मान (dignity) पर विशेष जोर देता है। छात्र अपनी पसंद का कोई भी उपनाम (nickname) इस्तेमाल करके मदद मांग सकते हैं। वे अपनी सुविधा और पसंद के अनुसार यह भी चुन सकते हैं कि वे किसी पुरुष काउंसलर से बात करना चाहते हैं या महिला काउंसलर से। वे अपनी सुविधानुसार किसी भी समय मदद ले सकते हैं। इस हेल्पलाइन के जरिए छात्र अपनी चिंताओं को प्रशिक्षित 'पीयर सपोर्ट वॉलंटियर्स' के साथ साझा कर सकते हैं। ये वॉलंटियर्स उचित काउंसलिंग देंगे और जरूरत पड़ने पर फैकल्टी सदस्यों से भी मदद लेंगे, जो इन छात्र वॉलंटियर्स के लिए मेंटर के रूप में काम करते हैं। जिन मामलों में काउंसलिंग और फैकल्टी मेंटर की मदद से आगे के हस्तक्षेप की आवश्यकता होगी, उन्हें अस्पताल या किसी उपयुक्त चिकित्सा केंद्र में भेज दिया जाएगा।

इस हेल्पलाइन में पुलिस इमरजेंसी रिस्पॉन्स नंबर 112 तक पहुंचने की सुविधा भी शामिल है, जिससे छात्र जरूरत पड़ने पर आपातकालीन सहायता मांग सकते हैं। इस पहल का उद्देश्य एक ऐसा भरोसेमंद और अत्यधिक कुशल सपोर्ट सिस्टम बनाना है, जहां छात्र बिना किसी हिचकिचाहट, सामाजिक स्टिग्मा या अपनी गोपनीयता के उजागर होने के डर के बिना मदद मांग सकें।

इस कार्यक्रम के सफल शुभारंभ पर छात्र वॉलंटियर्स, विश्वविद्यालय के 'मेंटल हेल्थ एंड वेलनेस सेल', SPYM और संबंधित विभागों को बधाई देते हुए, कुलपति प्रो. मजहर आसिफ़ ने कहा, "आज के युवाओं को कई तरह के अभूतपूर्व वित्तीय, मनोवैज्ञानिक और भावनात्मक तनावों का सामना करना पड़ रहा है। उन्हें सार्थक सहयोग प्रदान करना, मानसिक स्वास्थ्य को बढ़ावा देना और उनकी समग्र भलाई का ध्यान रखना हमारी सबसे महत्वपूर्ण जिम्मेदारियों में से एक है।" प्रो. आसिफ़ ने कहा, "जामिया ने यह पहल इसलिए की है ताकि छात्रों को साल भर अच्छी गुणवत्ता वाली मानसिक स्वास्थ्य सहायता मिल सके। वे अपने विश्वविद्यालय के माहौल में रहते हुए, कभी भी (24x7) मदद ले सकते हैं। मुझे विश्वास है कि यह कार्यक्रम न केवल जामिया के छात्रों के लिए, बल्कि युवाओं और पूरे देश के लिए एक महत्वपूर्ण और स्थायी योगदान साबित होगा। हम इस पहल को और आगे बढ़ाना चाहते हैं, ताकि यह दिखाया जा सके कि संस्था की इच्छाशक्ति और प्रतिबद्धता, पेशेवर मार्गदर्शन, और छात्रों की समर्पित भागीदारी से कितने सकारात्मक परिणाम मिल सकते हैं।"

जामिया के रजिस्ट्रार, प्रो. मो. महताब आलम रिज़वी ने भी 'मेंटल हेल्थ एंड वेलनेस सेल', SPYM और छात्र वॉलंटियर्स को बधाई दी। उन्होंने इस विचार को बहुत कम समय में एक व्यावहारिक और वास्तविक डिजिटल सपोर्ट सिस्टम में बदलने के लिए उनके निरंतर प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा, "यह पहल जेएमआई के उस विज़न और लंबे समय से चले आ रहे मिशन को दर्शाती है, जिसका उद्देश्य छात्रों को मनोवैज्ञानिक और भावनात्मक सहारा देना है। यह बहुत प्रेरणादायक है कि लगभग 140 छात्र इस नेक और निस्वार्थ जिम्मेदारी को निभाने के लिए आगे आए। हम उनकी सेवा भावना को सलाम करते हैं।" प्रो. रिज़वी ने कहा, "आज की यह शुरुआत जेएमआई के 22,000 से अधिक छात्रों की मानसिक भलाई के प्रति विश्वविद्यालय की प्रतिबद्धता को दिखाती है। यह पहल भारत के माननीय सर्वोच्च न्यायालय, शिक्षा मंत्रालय, सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय (भारत सरकार), और यूजीसी द्वारा मानसिक स्वास्थ्य पर दिए गए निर्देशों के अनुरूप है।"

एसपीवाईएम के राष्ट्रीय सलाहकार श्री के. नारायण ने कहा कि उनके संगठन ने इस तरह की पहल को लागू करने और चलाने के लिए जेएमआई को सबसे उपयुक्त और अच्छी तरह से सुसज्जित विश्वविद्यालय के रूप में अपना दृढ़ विश्वास रखा है। उन्होंने कहा, "जेएमआई की शैक्षणिक समृद्धि, बौद्धिक व्यापकता, दार्शनिक विरासत और छात्र-केंद्रित लोकाचार ने इसे राष्ट्रीय मानदंड स्थापित करने के लिए एक आदर्श संस्थान बना दिया है।" उन्होंने कहा कि यह कार्यक्रम अन्य विश्वविद्यालयों के लिए अनुकरण और सीखने के लिए एक मूल्यवान मॉडल के रूप में काम कर सकता है।

श्री गैरी रीड, राष्ट्रीय तकनीकी सलाहकार, एसपीवाईएम, जो मानसिक स्वास्थ्य के क्षेत्र में अपने अभिनव दृष्टिकोण के लिए दुनिया भर में जाने जाते हैं, जिन्होंने भारत के बाहर से विशेषज्ञता और सीख लाकर कार्यक्रम के विकास और सफल लॉन्च में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, उन्होंने कहा, "इस पहल के माध्यम से जेएमआई ने जो हासिल किया है वह उल्लेखनीय है। समाज की सेवा करने के लिए जुनून और युवा लोगों के जीवन को बदलने के उद्देश्य और संकल्प की भावना का दुर्लभ संयोजन कार्यक्रम को एक अनुकरणीय बनाने की क्षमता रखता है, जो बदले में जेएमआई की स्थापना में एक लंबा रास्ता तय करेगा। न केवल भारत और दक्षिण एशिया में बल्कि विश्व स्तर पर, छात्र मानसिक स्वास्थ्य और कल्याण सहायता में एक स्वर्ण मानक के रूप में।" उन्होंने कहा, "जो बात इस कार्यक्रम को खास बनाती है, वह छात्र वॉलंटियर्स की प्रतिबद्धता है जो संकट में साथी छात्रों को समझने, सहयोग और सहायता प्रदान करने के लिए अपना समय समर्पित कर रहे हैं। विश्वविद्यालय को इस असाधारण पहल का स्वामित्व लेते हुए, धैर्य और दृढ़ विश्वास के साथ अपनी क्षमता का पोषण करना चाहिए।"

प्रोफेसर जुबैर मीनई, अध्यक्ष, मानसिक स्वास्थ्य एवं कल्याण सेल तथा डीन, सामाजिक विज्ञान संकाय, जामिया ने चयनित वॉलंटियर्स को दिए गए कठोर प्रशिक्षण पर संतोष व्यक्त किया और विश्वविद्यालय भर में अपने साथियों का सहयोग करने के लिए तैयार 40 छात्रों को बधाई दी। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि कार्यक्रम को उत्तरोत्तर छात्र मानसिक स्वास्थ्य सहायता के एक अनुकरणीय मॉडल के रूप में विस्तारित किया जाएगा। उन्होंने पूरी प्रक्रिया के दौरान व्यक्तिगत रूप से शामिल होने और लगातार समर्थन देने के लिए प्रो. आसिफ़ और प्रो. रिज़वी को धन्यवाद दिया। साथ ही, उन्होंने इस कार्यक्रम और ऐप की रूपरेखा तैयार करने और उसे लागू करने में SPYM के अमूल्य तकनीकी, लॉजिस्टिक, सामग्री संबंधी और बौद्धिक योगदान की भी सराहना की।। प्रोफेसर मीनाई ने कहा, "प्रशिक्षित छात्र वॉलंटियर्स, पेशेवर परामर्शदाताओं, संकाय परामर्श, डिजिटल एक्सेस और संस्थागत सहयोग को एक साथ लाकर, जेएमआई ने अपने छात्रों की मानसिक स्वास्थ्य आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए एक एकीकृत और उत्तरदायी तंत्र बनाया है। उस हद तक, यह पहल अपनी क्षमता और स्केलेबिलिटी में अभूतपूर्व बनी हुई है।"

'पीयर सपोर्ट वॉलंटियर प्रोग्राम' और 'जामिया वेलनेस कनेक्ट हेल्पलाइन ऐप' की शुरुआत, जामियाके उन निरंतर प्रयासों में एक अहम मोड़ है, जिनका उद्देश्य छात्रों के कल्याण, स्वास्थ्य और भलाई को विश्वविद्यालय जीवन के केंद्र में रखना है।

प्रोफेसर साइमा सईद
मुख्य जनसंपर्क अधिकारी